समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

जहानाबाद मे Census 2027 के लिए Self-Enumeration अभियान तेज, अधिकारियों ने बढ़ाई जागरूकता

RANJEET KUMAR

Published on 24 Apr 2026

[illegible] | [illegible], [illegible] | [illegible]

जहानाबाद जिले में भारत जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत *[illegible] (Self-Enumeration)* अभियान को तेज कर दिया गया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर विभिन्न अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में आमजनों को इस प्रक्रिया की जानकारी देने और उन्हें इसमें शामिल कराने में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों ने संभाली कमान

जिला पदाधिकारी डॉ. प्रीति के निर्देश पर गुरुवार को घोसी प्रखंड में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिता कुमारी ने क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों को स्व-गणना प्रक्रिया और उसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जनगणना का यह चरण डिजिटल माध्यम से किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बन सके।

जनप्रतिनिधियों ने भी लिया हिस्सा

घोसी प्रखंड के ग्राम पंचायत कोरा में पूर्व सांसद जगदीश शर्मा, पैक्स अध्यक्ष वरुण शर्मा और प्रखंड प्रमुख जयमंती देवी ने स्वयं अपनी स्व-गणना पूरी कर लोगों को प्रेरित किया।

इसके अलावा नगर पंचायत घोसी और काको में भी अभियान सक्रिय रूप से चलाया गया, जहां अधिकारियों ने घर-घर जाकर लोगों को इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

शैक्षणिक संस्थानों में भी जागरूकता

काको नगर पंचायत क्षेत्र में राहुल कुमार और शकील अहमद काकवी ने भी स्व-गणना कर उदाहरण प्रस्तुत किया।

विद्यालय स्तर पर भी छात्रों और उनके अभिभावकों को स्व-गणना के महत्व और प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया, जिससे अधिक से अधिक लोग इस डिजिटल पहल से जुड़ सकें।

कैसे करें Self-Enumeration

स्व-गणना के लिए नागरिकों को आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर पंजीकरण करना होगा।

- सबसे पहले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का चयन करें
- कैप्चा कोड भरें
- परिवार के मुखिया का नाम दर्ज करें
- 10 अंकों का मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से भरें
- ई-मेल आईडी वैकल्पिक रूप से दर्ज की जा सकती है

ध्यान देने वाली बात यह है कि एक बार दर्ज किया गया परिवार के मुखिया का नाम बाद में बदला नहीं जा सकेगा।

क्यों महत्वपूर्ण है स्व-गणना

स्व-गणना के माध्यम से नागरिक खुद अपने परिवार की जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज कर सकते हैं, जिससे डेटा अधिक सटीक और पारदर्शी बनता है। यह भविष्य की सरकारी योजनाओं और नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोग इस डिजिटल जनगणना प्रक्रिया में भाग लें और सही जानकारी दर्ज करें, ताकि विकास योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/RANJEET KUMAR, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.